Five days Training on Instrumentation inaugurated at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur

(30/01/2023)

To hone working and handling of natural science laboratory instruments, a five-day (30 January to 3 February 2023) training programme on Instrumentation was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur. A total of 11 enthusiastic participants including research scholars, academicians and pharma industry professionals from various natural sciences backgrounds of botany, biochemistry, environmental sciences, soil science, microbiology etc. from the states of Uttarakhand, Odisha, West Bengal, Maharashtra and Madhya Pradesh are attending the training to improve understanding and diversify their knowledge in handling of sophisticated instruments of forestry research available at TFRI, Jabalpur.

Smt. Neelu Singh, Director TFRI, welcomed the participants and briefed about the state of art facility for research in forestry sector by the institute. She enlisted the instruments available at various divisions of the institute and emphasized on the opportunity to use leanings from the training in academic and professional fronts by the participants.

Dr. Nanita Berry, Head Silviculture and Forest Management (SFM) Division informed the participants about the schedule and lecture structure of the training program. She motivated the participants in updating their information regarding working of various instruments in the era of entrepreneurship and startups.

Dr. Hari Om Saxena, Training Coordinator, welcomed the participants and dignitaries. Briefing about the origin of the training program to provide detailed knowledge on the working, principle and hands on demonstration of forestry instruments he presented his gratitude towards the participants and dignitaries by delivering formal vote of thanks.

The event was moderated by Ms. Samiksha Parihar, Junior Project Fellow, SFM division. A Training manual was also released on the occasion by the dignitaries.

Participants will be thoroughly trained with the working and details of various instruments like HPLC, HPTLC, UV-Visible Spectrophotometer, PCR, Gel Electrophoresis, ICP, Photosynthesis System, Lucida Tri Micrography, BOD Incubator, Laminar Air Flow etc. available at the institute during the training programme.

All the scientists, officers and members of the institute associated with the training including Pranab Dhar, Santosh Choubey and Ganesh Pawar were present at the event.

GLIMPSES OF THE EVENT

Media Coverage

City भास्कर
bhaskarhindi.com
जबलपुर, मंगलवार, 31 जनवरी 2023 . 04

प्रशिक्षण में मिलेगी वानिकी उपकरणों संबंधित जानकारी

जबलपुर। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टी.एफ.आर.आई जबलपुर में प्राकृतिक विज्ञान प्रयोग शाला उपकरणों की कार्यप्रणाली और संचालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों से वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन, पर्यावरण विज्ञान, मृदा विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान आदि के विशेषज्ञ भाग लेंगे।

टी.एफ.आर.आई निदेशक नीलू सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और संस्थान द्वारा वानिकी क्षेत्र में अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. नीता बेरी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची और व्याख्यान संरचना के बारे में सूचित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और उन्हें उद्यमिता और स्टार्टअप के युग में तकनीक से अपडेट रहने की बात कही। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. हरिओम सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन समीक्षा परिहार ने किया।

राज एक्सप्रेस | महानगर मंगलवार 31 जनवरी 2023 www.rajexpress.co 2 जबलपुर

वन अनुसंधान संस्थान वानिकी उपकरणों पर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई में प्राकृतिक विज्ञान प्रयोगशाला उपकरणों की कार्यप्रणाली और संचालन पर पांच दिवसीय 30 जनवरी से 3 फरवरी तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उत्तराखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश राज्यों से वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन, पर्यावरण विज्ञान, मृदा विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान आदि के अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों और फार्मा उद्योग के पेशेवरों सहित कुल 11 उत्साही प्रतिभागियों द्वारा इस प्रशिक्षण में भाग लिया जा है। नीलू सिंह, निदेशक टीएफआरआई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और संस्थान द्वारा वानिकी क्षेत्र में अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संस्थान के विभिन्न विभागों में उपलब्ध उपकरणों को सूचीबद्ध किया और प्रतिभागियों द्वारा शैक्षणिक और व्यावसायिक स्तर पर इनके उपयोग पर जोर दिया। डॉ ननीता बेरी, प्रमुख वनवर्धन और वन प्रबंधन एसएफएम प्रभाग ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची और व्याख्यान संरचना के बारे में सूचित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और उन्हें उद्यमिता और स्टार्टअप के युग में तकनीक से अपडेट रहने की बात कही।